हिन्दी

अध्याय-1: आरंभिक जीवन

SHIVOM CLASSES 8696608541

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 17)

प्रश्न 1 सिद्धार्थ के बारे में महर्षि असित की क्या भविष्यवाणी थी? संक्षेप में बताइए?

उत्तर- सिद्धार्थ के बारे में महर्षि असित ने यह भविष्यवाणी की थी कि यह बालक अत्यंत बुद्धिमान होगा जो शाक्य कुलभूषण बनेगा| इस संसार की दुख भरी अंधकार को यह बालक अपनी ज्ञान की रोशनी से राह दिखाएगा| इस बालक की दी गई शिक्षा पर चलकर लोग शांति और मोक्ष को प्राप्त करेंगे उन्होंने यह भी बताया था कि यह बालक बड़ा हो कर मोक्ष की प्राप्ति के लिए वन के लिए प्रस्थान कर सकता है|

प्रश्न 2 आप कैसे कह सकते हैं कि बालक सिद्धार्थ विशेष मेधावी थे?

उत्तर- जो विद्यायें सामान्य बालक वर्षों में सीखते थे उन विद्याओं को सिद्धार्थ कुछ ही समय में सीख लेते थे इससे यह प्रतीत होता है कि बालक सिद्धार्थ बहुत ही मेधावी छात्र थे| उनके जन्म लेते ही ऐसा लगा था जैसे चारों दिशाएं प्रकाशित हो उठी हो, चेहरे पर सूर्य का तेज और चंद्रमा की लालिमा यह बयाँ कर रही थी कि यह बालक एक विशेष बालक है|

प्रश्न 3 महाराज शुद्धोदन सिद्धार्थ की सुख-सुविधाओं की व्यवस्था के लिए क्यों विशेष प्रयत्नशील रहते थे?

उत्तर- महाराज शुद्धोधन सिद्धार्थ की सुख-सुविधाओं की व्यवस्था के लिए इसने विशेष प्रयत्नशील इसलिए रहते थे क्योंकि महर्षि असित ने सिद्धार्थ के जन्म के समय यह भविष्यवाणी की थी कि यह बालक संसार के दुःख से विचलित हो मोक्ष प्राप्ति के लिए सांसारिक मोह माया को त्याग कर वन के लिए प्रस्थान कर सकता है| महाराज़ शुद्धोधन सिद्धार्थ का सारा ध्यान उसके गृहस्थ जीवन पर चाहते थे, इसलिए उन्होंने सिद्धार्थ को सांसारिक दुख,पीड़ा,वेदना आदि से दूर रखने की हर प्रकार से कोशिश की|

प्रश्न 4 राजकुमार सिद्धार्थ के मन में संवेग की उत्पत्ति के क्या कारण थे?

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर- राजकुमार सिद्धार्थ के मन में संवेग की उत्पत्ति के कई कारण थे| जब वह पहली बार नगर भ्रमण पर निकले तब उन्हें अचानक ही एक वृद्ध इंसान दिख गया| उन्होंने आज तक किसी सफेद बाल के इंसान जो लाठी लेकर चल रहा है अथवा वृद्ध इंसान को नहीं देखा था| सारथी ने बताया कि कोई भी इंसान इस वृद्धावस्था से नहीं बच सकता, यह सुन कर सिद्धार्थ का मन बड़ा दुखी हुआ| दूसरी बार उन्होंने एक रोगी को देखा जो झुक कर चल रहा था, उन्होंने फिर सारथी से पूछा कि क्या यह सब के साथ होता है| सारथी ने बोला कि रोग हर इंसान के साथ होता है पर लोग इसकी परवाह नहीं करते| तीसरी बार जब नगर भ्रमण पर सिद्धार्थ निकले तो उन्होंने पहली बार किसी मृत व्यक्ति को देखा, उस शव यात्रा को देख सिद्धार्थ का मन विचलित हो गया| उन्होंने फिर से पूछा कि यह क्या है ,क्या सभी लोग मरते हैं| सारथी ने कहा कि मौत हर इंसान को आनी है चाहे वह गरीब हो या अमीर, और संसार के इन्हीं दुख और पीड़ा को देखकर सिद्धार्थ का मन मोह माया से हट ,मोक्ष की तरफ बढ़ गया|

SHIVOM CLASSES
8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)